

प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

1. कार्यवाही करनेवाले का (पूर) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो चुके है को 2. वर्तमान धारित पद 3. वर्तमान वेतन 4. अगली वेतनवृद्धि की तारीख

1. जिले, आ संभाग, तालुका तथा प्रभाग का नाम, जिसमें अधिसूचित हो	संपत्ति का नाम तथा स्थिति		3. वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि यह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ** खरोद, पट्टा, बंधक, विपसत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौर	7. संपत्ति से वार्षिक आय	8. अभियुक्ति
	2. गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
अ. वे. से. 2 - राज. कोषागार	गृह	5,00,000/-	6921	मा. मा. जी. को. रा. भेंट दिया गया श्री. रामभाऊ कारके महाराष्ट्र		12,000/-	

करा जाय न हो कार दीजिए।
 यदि मानने में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।
 सभी अल्पकालीन धरोरे भी सम्मिलित हैं।
 धारा 14(1) शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षा है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बार होने की अवधि के पर्यंत सह भोषणा-53 भा कर प्रस्तुत करें और साथ ही वह उसके स्थापित की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विवास्त में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी भी अन्य व्यक्ति के नाम पर धरोरे या बंधक का बतलाया जाए।

हस्ताक्षर
 नाम
 पद